स्थान	असामी	विस्वा	स्थान	असामी	विस्वा
बगरा के	शिवा	६	क० के भट्टाचार्य	कमलापति	२०
कन्नौज के भट्टाचार्य	वंशीधर	२०	"	श्रीपति	"
"	मतिकृष्ण	१६	सवायजपुर	जयदेव	७
"	मुरलीधर	२०	बेला के	विहारी	५
"	चन्द्रमौलि	"	भुसौरा के	कोमल	४
"	शिरोमणि	१६	मौरांव के	गिरधर	११

❀ भरद्वाज गोत्र त्रिवेदी स्थान असामी विस्वा ❀

स्थान	असामी	विस्वा	स्थान	असामी	विस्वा
ताड़ के	भागीरथ	११	जेठी के	भोजा	१४
"	चिन्ता	११	लहुरी के बिरसा	खेमानंद	१५
"	दयाल	११	लहुरी तौधकपुर	पद्मधर	१४
बिरसा	कान्ह	११	लहुरी	मणिकण्ठ	१४
घाटमपुर	हीरा	१०	" तौधकपुर	कल्लू	१२
हाजीपुर	माधव	"	"	मन्नू	१२
बिहारपुर	रेवन्त	"	"	बेनी	१२
जेठी के	बासुदेव	१३			

❀ इति भरद्वाज गोत्रम् ❀

—:❀:—

सांकृत गोत्रस्य वृत्तांतम्

श्री नारायण की नाभि से ब्रह्मा भये तिन के कुल में सांख्यायन तिनके बंशज सांकृत

भये, सांकृत के पुत्र जीवास्व तिनके कुल में पृथ्वीधर परम पण्डित भये, तिन पृथ्वीधर को कौशिकपुर के राजा ने बुलाय अवसथ यज्ञ किया और उनकी विद्वत्ता देख त्रिगुणायत अवस्थी की पदवी दी तब ते पृथ्वीधर कौशिकपुर के अवस्थी विख्यात भये पृथ्वीधर के दो पुत्र महीधर १ धरणीधर २ धरणीधर कोशिकपुर के त्रिगुणायत अवस्थी प्रसिद्ध भये, और महीधर कौशिकपुर के शुक्ल कहाये, महीधर के पुत्र नाभू भये नाभू जी ने मनीराम बाजपेई से विद्या पढ़ी और परम विद्वान् भये नाभू जी की विद्वत्ता देख मनीराम ने अपनी कन्या भुवनेश्वरी विवाह दी और नाभू को शुक्ल पद देकर निज निकट पुरैनियाँ ग्राम में टिकाय दिया सो नाभू पुरैनियाँ के शुक्ल कहाये, नाभू के २ पुत्र बुजुरुक १ खुर्दपति २ पुरैनियाँ के शुक्ल बुजुरुक गोपालपुर पुरैनियां के शुक्ल कहाये, बुजुरुक के ३ पुत्र क्षत्रपति, आनन्दबन, मुक्ता क्षत्रपति नभेल पुरैनियां के शुक्ल, आनन्दबन अकबर पुरैनियाँ के शुक्ल, मुक्ता, नभेल पुरैनियाँ के शुक्ल कहाये, खुर्दपति के ३ पुत्र खेमन, बहेरू, रूपन, रूपन जाजमऊ के शुक्ल

बहेरू गहिरी के शुक्ल, खेमन गौरा के शुक्ल कहाये, खेमन के ४ पुत्र गणपति १ हरिब्रह्म २ ईश ३ दारो ४ गणपति फतूहाबादी पुरैनियाँ नभेल के शुक्ल, हरिब्रह्म अमोह में रहे और पुरैनियाँ नभेल के शुक्ल ईश असनी में रहे और पुरैनियाँ नभेल के शुक्ल दारो असनी के शुक्ल कहाये, छत्रपति के ३ पुत्र गङ्गाराम १ माधवराम २ शालिगराम ३ शालिगराम नरवल पुरैनियाँ के शुक्ल, माधव असनी पुरैनियाँ के गंगाराम डोमनपुर के पुरैनियाँ के शुक्ल कहाये, मुक्ता के पुत्र रामचक्र गहिरी के शुक्ल प्रसिद्ध भये बहेरू के ५ पुत्र देवीदीन १ दरियाव २ जवाहिर ३ जानकी ४ भीष्म ५ भीष्म गहिरी के शुक्ल देवीदीन गौरा के शुक्ल दरियाव अवावा के शुक्ल जानकी अम्बरपुर के, जवाहिर गूदरपुर के शुक्ल कहाये, गङ्गाराम के २ पुत्र रघुबंश १ हरिबंश २ हरिबंश डोमनपुर के शुक्ल रघुबंश फतुहाबाद (खजुहा) के पुरैनियाँ शुक्ल कहाये, रूपन के २ पत्र घना १ घनश्याम २ घनश्याम जाजमऊ के

शुक्ल, घना गौरा के शुक्ल कहाये, गणपति के तीन पुत्र हट्ठू, बन्दन, दुलीचन्द के २ पुत्र भाऊ, शीतलप्रसाद यह पांचो फतुहाबादी पुरैनियाँ नभेल के शुक्ल कहाये, घना के ३ पुत्र कृष्णी, ब्रजलाल, त्रिगुणायत, ब्रजलाल बिजौली के दुबे, कृष्णी कौशिकपुर के मिश्र कहाये, त्रिगुणायत कौशिकपुर के अवस्थी भये घनश्याम के ३ पुत्र बीर, बनवारी, प्रजापति, बीर जाजामऊ के मिश्र, बनवारी चचेंड़ी के मिश्र, प्रजापति इटावा के मिश्र कहाये।

सांकृत गोत्र शुक्लों का स्थान असामी विस्वा

स्थान	असामी	विस्वा
पुरैनियाँ के	नाभू	४
,,	गोपालपुरबुधरुक	१८
,,	बहारपुरखुर्द रति	१२
नमेलपुरैनियां	छत्रपति	१५
अकबरपुर पुरैनियां	आनन्दवन	,,
पुरैनियां नमेल	मुक्ता	,,
गौरा के	खेमन	१०
गहिरी के	बहेरू	५
जाजामऊ के	रूपा	१५
फतुहाबादी पुरै.	गणपति	२०
पुरैनियां अमोह	हरिश्चन्द्र	,,
असनी गोसाईं	ईश	१६
असनी के	दारी	१०
डोमनपुर पुरै.	गङ्गाराम	१६
असनी के	माधवराम	१८
नरवल के	शालिकराम	२०
गहिरी के	रामचक्र	५
गौरा के	देवीदीन	६
अबावा के	दरियाव	६
गूदरपुर के	जवाहिर	७
अम्बरपुर के	जानकी	८
गहिरी के	भीष्म	८
पुरैनियांफतुहाबादी	रघुवंश	१६
डोमनपुर पुरैनियां	हरवंश	१५
गौरा के	घना	१८
जाजामऊ के	घनश्याम	१२
पुरैनि॰ नमेलफ.बा.१	हट्ठ	२०
,,	चन्दन	१५
,,	दुखीचन्द	२०
,,	भाऊ	,,
,,	शीतल	,,

सांकृत गोत्र मिश्र

स्थान	असामी	विस्वा
कौशिकपुर के	कृष्णी	५
जाजामऊ के	बीर	२०
बघेंडी के	बनवारी	१८
इटावा के	प्रजापति	१८

सांकृत गोत्र अवस्थी दुबे

स्थान	असामी	विस्वा
कौशिकपुर	त्रिगुणायत	५
पृथ्वीधर	त्रिगुणायत	४
बिजौली के दुबे	ब्रजलाल	५

❀ इति सांकृत गोत्रम् ❀